हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर, 2025

तापमान
अधिकतम 35 .8 डिग्री
न्यूनतम 21.9 डिग्री

12 पुलिस पब्लिक चैस चैंपियनशिप में 300 ने लिया हिस्सा

12 इंडस्ट्रियल क्षेत्र में व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए समिति गठित

खबर संक्षेप

जानलेवा हमले के छह आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन की टीम ने थाना माडल टाउन क्षेत्र के फौजी नगर में जमीनी विवाद में पिस्तौल से धर्मराज व इसके भाई सुरेंद्र पर जानलेवा हमला करने मामले में एक नाबालिग समेत शांति नगर निवासी संदीप, खुखराना गांव निवासी सुमित उर्फ मित्तू, सौंधापुर गांव निवासी विकास उर्फ मोटा, उंटला गांव निवासी दीपक उर्फ दीपू व घरौंडा निवासी रजत उर्फ लवली को गिरफ्तार किया है। डीएसपी सुरेश सैनी ने बताया कि कोर्ट ने आरोपी दीपक व संदीप को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया व सुमित, विकास व रजत को 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया।

मोबाइल शॉप से नकदी चोरी के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम ने मतलौडा में मोबाइल की दुकान से नगदी चोरी करने वाले दो आरोपियों संतोष पुत्र टोप बहादुर निवारी थर्मल कॉलोनी व सोनू पुत्र अशोक निवासी गांव झांसा कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित सरोहा ने बताया कि चोरी की उक्त वारदात बारे थाना मतलौडा में कालखां गांव निवासी विरेंद्र पुत्र शीशपाल की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं, दोनों आरोपी कुख्यात अपराधी है। आरोपी संतोष पर चोरी के सात, सोनू पर पानीपत, करनाल, अंबाला, कुरूक्षेत्र, सोनीपत सहित पंजाब में 30 से ज्यादा केस दर्ज है।

बिजली कार्य में बाधा डालने का आरोपी काबू

कैथल। बिजली विभाग के कर्मचारियों के कार्य में बाधा उत्पन्न, मारपीट करने के मामले में आरोपी पबनावा निवासी सुल्तान को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायत अनुसार 5 सितंबर को निगम के जेई गांधी लेगा की टीम पबनावा गांव में बिजली लाइन पर काम करने के लिए गई थी। गांव के सुल्तान ने कार्य में बाधा उत्पन्न की। आरोपी ने निगम व ठेकेदार के कर्मचारियों को धमकाया। साथ ही मौके पर मौजूद महिला सदस्यों ने भी कार्य में रुकावट डाली।

मुख्यमंत्री सैनी ने वीडियो कांफ्रेंस कर सड़कों की स्थिति का लिया जायजा

बरसात में जिन सड़कों की स्थिति खराब हुई अधिकारी वहां तुरंत करें काम शुरू : नायब

■ 1 अक्टूबर से सौंदर्यीकरण का कार्य होगा शुरू : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जलभराव, बरसात की स्थिति अब सामान्य हो गई है। कुछ दिनों पहले ही स्थिति के कारण सड़कों की हालत खराब है। इस स्थिति को ठीक करने के लिए सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों को दौरा करके सड़कों की हालत में सुधार करें। जिस कारण पर पैच वर्क की जरूरत है, वो तुरंत प्रभाव से पूरी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जहां पर हालत खराब है, उस सडकों का नए सिरे से निर्माण किया जाए। पानी की क्रॉसिंग के लिए जहां से सड़क में कट लगाए गए हैं, वहां पर पुलिया का निर्माण किया जाए। पिहोवा-पटियाला मार्ग का निर्माण कार्य प्राथमिकता से शुरू करवाया जाना है। किसी भी सड़क के सबसे पहले गड्ढे भरे जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, शहरी निकाय, जिला परिषद, मार्केटिंग बोर्ड, एचएसवीपी की सभी सड़कों की स्थिति को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा को निर्देश दिए कि वह थानेसर शहर के सेक्टर-30 की सभी सड़कों को स्वयं चेक करें और उनकी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय में भेजें,साथ ही उन सड़कों को ठीक करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करें। इसी तरह इस्माईलाबाद, पिहोवा, लाडवा और शाहाबाद शहर की सड़कों का भी डाटा तैयार कर, उन्हें भी ठीक करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन को निर्देश दिए कि वह सुंदरपुर चौक के पास सड़क में गड्ढों की समस्या का स्थाई समाधान करें। बार-बार पैचवर्क करने के बावजूद भी इस टुकड़े की समस्या ज्यों की त्यों बने हुए हैं।

कुरुक्षेत्र। वीसी में मौजूद उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सौंदर्यीकरण महाभारत से जोड़कर किया जाएगा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र शहर के सभी चौकों का सौंदर्यीकरण महाभारत से जोड़कर किया जाएगा। इस कार्य को केडीबी द्वारा करवाया जाएगा। उन्होंने उपायुक्त को केडीबी के अधिकारियों से बातचीत कर योजना बनाने के निर्देश दिए। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि इन चौकों के डिजाइन को लेकर केडीबी अधिकारियों और डिजाइन एजेंसी से बातचीत की गई है, जल्द ही डिजाइन बनकर तैयार हो जाएंगे। इनमें से पिपली चौक को मॉडल चौक के तौर पर गीता जयंती समारोह से पहले तैयार किया जाएगा जिला प्रशासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि 1 अक्टूबर से इस चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कर दिया जाए।

15 अक्टूबर तक होगा सड़कों का निर्माण

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि जिला में पीडब्ल्यूडी विभाग की 249 सड़कें है, 1190 किलोमीटर का क्षेत्र कवर करती है। इनमें से खस्ताहाल 196 किलोमीटर सड़क की रिपेयर की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूजा स्कूल, जिंदल, पिपली चौक के क्षेत्र में 10 सड़कों का 12 करोड़ 70 लाख की लागत से निर्माण का कार्य आज से शुरू किया गया है, 15 अक्टूबर तक इन सभी सड़कों का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा इस निर्माण के पूरा होने से इश्क क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि ठोल मार्ग का टेंडर, वर्क अलॉट सहित सभी कार्य हो चुके हैं। इस रोड का 20 सितंबर से निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसी तरह पिहोवा से पटियाला मार्ग का निर्माण भी 20 सितंबर से शुरू करवाया जाना है। लाडवा रादौर मार्ग पर लाडवा शहर में कारपेटिंग का कार्य शुरू करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे 152 डी पर शाहाबाद व पिहोवा में स्थिति खराब पाए जाने पर 153 का नोटिस दिया गया। खराब स्थिति को जल्दी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जलभराव की स्थिति में विभिन्न सड़कों पर 22 कट लगाए गए थे, इनमें से 21 कट्टों में पाइप लाइन बिछाकर पुलिया निर्माण किया जा रहा है।

ढोल की थाप पर झूमे छात्र

आचार्य देवव्रत को सौंपा महाराष्ट्र राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार, गुरुकुल परिवार ने लड्डू बांटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। लड्डू बांटकर मनाई खुशी मनाते गुरुकुल परिवार के सदस्य।

गुजरात के राज्यपालश्री एवं गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संरक्षक आचार्य देवव्रत को माननीय उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। आचार्य देवव्रत की कार्यकुशलता और उन्नत कार्यशैली को देखते हुए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह दोहरी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे लेकर पूरे गुरुकुल परिवार में उत्साह का माहौल है।

आज गुरुकुल कुरुक्षेत्र में इसी संदर्भ में एक विशेष यज्ञ कराया गया, तत्पश्चात गुरुकुल परिसर में लड्डू बांटे गए। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने ढोल की थाप पर झूमकर अपनी खुशी व्यक्त की, वहीं गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने आचार्य के सुपुत्र गौरव आर्य एवं उनकी पुत्रवधु कविता चौधरी को लड्डू खिलाकर बधाई दी। प्रधान राजकुमार गर्ग ने कहा कि यह गुरुकुल ही नहीं अपितु हरियाणा प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि आचार्य देवव्रत को यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, निश्चित तौर पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने आचार्य की कर्त्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता को देखकर यह निर्णय लिया है जिसके लिए गुरुकुल परिवार देश की माननीया राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री का आभारी हैं। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि आचार्यश्री हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं। एक शिक्षक से देश के इतने ऊंचे संवैधानिक पद तक पहुंचना, इस यात्रा में कितना संघर्ष, कितना त्याग और कितना परिश्रम है, इससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अंत में सभी छात्रों ने भारत माता की जयघोष से पूरा पंडाल गुंजायमान कर दिया।

युवक पर चाकू से हमला, नागरिक अस्पताल में दाखिल

अंबाला। महेश नगर स्थित टांगरी बांध पर साकेत अस्पताल के निकट शनिवार सुबह तेजा मोहड़ी गांव के विजय पर चाकू से हमला हो गया। साथी दोस्त ने ही आपसी कहासुनी को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। तैश में आकर चाकू से एक जांघ तो दूसरा पेट में वार किया।

खून से लथपथ हालत में छोड़कर हमलावर फरार हो गया। राहगीरों ने कैंट के नागरिक अस्पताल में घायल को दाखिल करवाया, जहां वह उपचाराधीन है। घायल विजय ने बताया कि वह शनिवार को सुबह सामान लेने के लिए टांगरी बांध पर आया था। तभी एक जानकार युवक मिल गया। उसने देखते ही देखते हाथ में पकड़े चाकू से दो जगह पर वार कर दिए।

लोन छह करोड़ का और घाटा साढ़े सात करोड़ का दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

ऋषिपाल

■ सनौली सहकारी समिति की शिकायत सीएम सैनी से की

दी सनौली खुर्द सहकारी समिति में नियमों की अनदेखी कर कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने का आरोप लगाते हुए उक्त भर्तियों को रद्द करने व नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाही किए जाने की मांग समिति के पूर्व लिपिक एवं वर्तमान सदस्य गांव तामसाबाद निवासी ऋषिपाल ने रजिस्ट्रार सहकारी समितियां व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की है।

शिकायत में ऋषिपाल ने आरोप लगाया है कि दी सनौली खुर्द सहकारी समिति मौजूदा समय में साढ़े सात करोड़ घाटा दिखा रही है। हैरानी की बात है कि उक्त समिति के कुल लोन ही छह करोड़ का लिया है। ऋषिपाल ने आरोप लगाया कि उक्त समिति ने बिना आवश्यकता के कोआपरेटिव विभाग के आरसीएस के आदेश से एक कर्मचारी को पहले नौकरी पर लगा लिया है , अब बिना नो डयूज लिए ही बगैर जरूरत के ही एक अन्य कर्मचारी को लगाने की तैयारी की जा रही है। वहीं इस मामले को लेकर समिति के सभी सदस्यों की एक बैठक सोमवार को बुलाई गई है।

गिफ्ट भेजने के नाम पर महिला से ठग लिए करीब चार लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

■ इंग्लैंड के डॉक्टर ने महिला से शादी करने की बात कही थी

इंग्लैंड से कोरियर के माध्यम से गिफ्ट भेजने के नाम पर एक महिला से करीब चार लाख 15 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

माडर्न कालोनी निवासी मीनाक्षी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास एक बेटा है। उसके पति की वर्ष 2002 में मौत हो चुकी है। गत 22 जुलाई को उसके व्हाटसएप पर इंग्लैंड के एक डाक्टर ने मैसेज भेजकर उससे शादी करने की बात कही। इसके बाद दोनों में आनलाइन बातें होने लगी। इस बीच आरोपी ने उसे एक गिफ्ट भेजकर कहा कि वह उसे रिसीव कर लें। इसके बाद एक महिला ने उसे फोन करके बताया कि उसका एक गिफ्ट एयरपोर्ट पर कोरियर द्वारा आया है। उसे रिसीव करने के लिए उसे 30 हजार रुपये भेजने होंगे। आरोपी महिला की बातों में आकर उसने उसके बैंक खाते में पेटीएम द्वारा पैसे भेज दिए। मगर इसके बाद फिर महिला ने फोन करके उसे बताया कि कोरियर में जो गिफ्ट है उसमें काफी कीमती सामान है। जिसे रिसीव करने के लिए उसे 3 लाख 85 हजार और रुपये भेजने होंगे। उसने यह पैसे भी आरोपियों को भेज दिए। मगर इसके बाद आरोपियों ने उससे सात लाख रुपये और भेजे जाने की बात कही। जिस पर उसे अपने आपको ठगी का शिकार होने का शक हुआ। उसने तुरंत साइबर पोर्टल पर शिकायत दी।

मुनाफे का लालच देकर दुकानदार से हड़पे 3.84 लाख रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने टास्क पूरा करने पर मुनाफे का लालच देकर दुकानदार से 3 लाख 84 हजार रुपये हड़प लिए गए। गांव बुड़िया निवासी दुकानदार ने पुलिस को बताया कि गत चार जुलाई को मोबाइल पर एक लिंक आया।

इस पर क्लिक करने पर उसके मोबाइल नंबर को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया गया। यहां उसे टास्क पूरे करने पर मुनाफे का लालच दिया गया। उसकी टेलीग्राम पर एक आईडी बना दी गई। इसके बाद पेड टास्क दिए गए। जिसमें 3 लाख 84 हजार रुपये तक लगा दिए। इसका मुनाफा आईडी पर दिखाया गया।

तरावड़ी में बच्चों की कहासुनी

शराब के नशे में धुत पड़ोसी ने 11 साल की बच्ची का काट लिया कान, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी कस्बे में शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने बच्चों की कहासुनी के बाद पड़ोसी की बच्ची पर हमला कर उसका कान काट दिया। बच्ची की मां उसे खून से लथपथ हालत में तरावड़ी सीएचसी लेकर पहुंची, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने कान को पॉलिथीन में डालकर करनाल के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बच्ची के पिता अजय ने बताया कि वह और उनकी पत्नी दोनों काम पर जाते हैं। पत्नी रोजाना शाम छह बजे तक घर लौट आती है, जबकि वे रात आठ-नौ बजे तक पहुंचते हैं। शुक्रवार को मेरे व पडोसी पंकज के बच्चे आपस में खेल रहे थे। इस दौरान बच्चों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शाम को आरोपी पड़ोसी पंकज उसके घर पहुंचा और गाली- गलोज करने लगा। इस दौरान उसकी पत्नी ने उसके पांव भी पकड़े, ताकि विवाद न बढ़े। उस समय पड़ोसी वहां से चला गया, लेकिन बाद में रात करीब साढ़े 9 बजे वह शराब पीकर लौट आया। उसी समय उनकी 11 साल की नाबालिग बेटी अनमोल घर के पास खड़ी थी। तभी आरोपी ने आते ही आरोपी ने अपने दांतों से उसकी बेटी का कान काट दिया। वार इतना तेज था कि बच्ची का कान पूरी तरह से अलग हो गया। परिजनों ने तत्काल बच्ची को अस्पताल पहुंचाया।

तरावड़ी सीएचसी में डॉक्टरों ने बच्ची को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे करनाल के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिवार के अनुसार बच्ची की स्थिति अभी नाजुक बनी हुई है।

बच्ची की हालत अभी गंभीर : एसएचओ

तरावड़ी थाना एसएचओ राजपाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। बच्ची की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। जिसका इलाज करनाल के अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है बच्ची को पीजीआई रेफर किया गया है। आज पुलिस ने आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति मंत्री ने हथनीकुंड बैराज का किया निरीक्षण

किसानों की सुरक्षा, सरकार की प्राथमिकता : सोमन्ना

■ केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने हथनी कुंड बैराज पर यमुना नदी के जलस्तर का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ जिला की सीमा स्थित हथनीकुंड बैराज का निरीक्षण कर वहां पानी के बहाव की स्थिति का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने यमुना नदी में जल बहाव को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल व जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश सपरा मौजूद रहे। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण यमुना नदी के तटबंधों के आस पास कई स्थानों पर भूमि कटाव एवं जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यमुना नदी के तटबंधों को और अधिक मजबूत किया जाए। ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की क्षति को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और किसानों की सुरक्षा एवं हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केंद्र तथा राज्य सरकार मिलकर हर संभव सहायता सुनिश्चित करेंगी। वी. सोमन्ना ने कहा कि अधिक वर्षा के कारण जिनका फसल या संपत्ति का नुकसान हुआ है। उन्हें किसी भी स्थिति में सहायता से वंचित नहीं रखा जाएगा। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि बाढ़ से प्रभावित प्रत्येक परिवार तक समय पर राहत सामग्री एवं आर्थिक सहयोग पहुंचाया जाए।

यमुनानगर। हथनीकुंड बैराज का निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए केंद्रीय रेल एवं जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना।

राहत कार्यों को दी जा रही गति

केंद्रीय राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदेश सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर राहत कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक तत्काल राहत सामग्री एवं मुआवजा पहुंचाया जाए। जिन क्षेत्रों में भूमि कटाव हुआ है वहां स्थायी समाधान हेतु ठोस योजना बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि देश और प्रदेश की सरकारें मिलकर इस मुश्किल घड़ी में ग्रामीणों और किसानों की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान राज्यमंत्री वी.सोमन्ना ने गांव नत्थनपुर के ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और समाधान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि इस समय राज्य के लोग बरसात के कारण हुई असामान्य परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हरियाणा सरकार पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

महिला टीसी ने यात्री युवक को जड़े थप्पड़

■ नशे में महिला टीसी का हाथ पकड़ने का लगाया आरोप

■ जनरल की टिकट पर स्लीपर कोच में सफर कर रहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार की रात एक महिला टीसी ने यात्री की पिटाई कर दी। इससे प्लेटफार्म नंबर दो पर अफरातफरी मच गई। रेलवे प्रशासन ने मामले में जांच की बात कही है।

गाड़ी संख्या 15934 अमृतसर तिनसुकिया एक्सप्रेस शुक्रवार रात को अपने निर्धारित समय से अंबाला कैंट स्टेशन पर पहुंची, इसी दौरान महिला टिकट चेकिंग स्टाफ ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। कई लोगों ने इसका विरोध तक किया। लेकिन महिला टीसी ने एक न सुनी और युवक को 4-5 थप्पड़ जड़ दिए। मारपीट के दौरान अंबाला कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर मौजूद अन्य यात्रियों ने घटना को देखते हुए उसका वीडियो बनाना शुरू किया, तो टीसी ने उन्हें रोक दिया। इसी दौरान अन्य टीसी भी घटना स्थल पर आ गए। 20 मिनट तक ये हंगामा चला। अन्य रेल कर्मी और यात्री तमाशा देखते रहे। जिसके बाद ट्रेन के साथ युवक को वापस रवाना कर दिया गया।

महिला टीसी ने बताया कि युवक नशे में था। वो जनरल की टिकट में स्लीपर कोच में सफर कर रहा था। इस दौरान टीसी ने जब उसका टिकट बनाने के लिए कहा तो वो नशे में हाथ पकड़ने लगा। टीसी का कहना था कि उसने कई बार हाथ पकड़ने का प्रयास किया इसलिए मजबूरन हाथ उठाना पड़ा। हालांकि उसकी रसीद काटकर उसे ट्रेन से ही रवाना कर दिया।

खबर संक्षेप

तरावड़ी। पार्लियामेंट काउंसिल के प्रभारियों को श्रीमद्भगवत गीता भेंट करतें हुये महामण्डलेश्वर ज्ञानानंद जी महाराज। *फोटो: हरिभूमि*

गीतामनीषी ज्ञानानंद जी जैसे संतों से गौरवान्वित है हिंदू समाज: शिव नाथ

तरावड़ी। सात समंदर पार इंडोनेशिया में गीता मनीषी महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा इस वर्ष गीता महोत्सव का उद्घाटन कर तथा इंडोनेशिया की पार्लियामेंट काउंसिल के प्रभारियों को श्रीमद्भगवत गीता भेंट करके एतिहासिक प्रयास किया है,जिससे प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित है। श्री सनातन धर्म मंदिर सभा के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता शिव नाथ कपूर ने भारत को अपने संतो पर गर्व तो है ही जो भारत के गौरव एवं सनातन धर्म की ध्वजा को पूरे विश्व में फहरा रहे हैं, लेकिन स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज जो भगवान श्री कृष्ण की वाणी से सुसज्जित ग्रंथ श्रीमद्भगवत को घर-घर अभियान के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किए हुए हैं, निश्चित ही पूरी मानवता के लिए किसी उपकार से कम नहीं गीतामनीषी जी का यह संकल्प।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र प्रदेश भर में कर रहा वेदों का प्रचार

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र द्वारा विगत कई वर्षों से हरियाणा भर में युवाओं के जीवन निर्माण, भारतीय जीवन मूल्यों और वैदिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार का पुनीत कार्य महामहिम राज्यपाल आचार्यश्री देवव्रत के ओजस्वी मार्गदर्शन में किया जा रहा है। रायसन के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय योग एवं जीवन निर्माण शिविर लगाया गया। शिविर में विख्यात भजनोपदेशक महाशय जयपाल आर्य मुख्यातिथि रहे। उनका विद्यालय परिसर में प्रिंसीपल वेद प्रकाश सहित अध्यापक डॉ. सुनील कुमार, पवन कुमार, विनोद कुमार, रोशन लाल, लोकनाथ, श्याम सिंह, दिनेश, देवेन्द्र तथा अध्यापिका नीरू, रूपा शिल्पी ने जोरदार स्वागत किया। गुरुकुल के वेद प्रचारक विशाल आर्य और आर्य मित्र ने विद्यार्थियों को शारीरिक प्रशिक्षण दिया।

घरौंडा नगर पालिका स्वच्छता टीम ने जागरूकता अभियान चलाया

स्वच्छता की मुहिम को आगे बढाएंगे बच्चे

स्कूल निदेशक मनीष को स्कूल परिसर का निरीक्षण करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत जीटी रोड़ पर स्थित निजी स्कूल में घरौंडा नगर पालिका स्वच्छता टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें मुख्य वक्ता लाइब्रेरियन संदीप लोहट, मोटिवेटर रेनू भूषण, सफाई निरीक्षक राहुल बामनिया,स्कूल निदेशक मनीष गुप्ता,योगेंद्र कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत हम सब ने ठाना हैं घरौंडा को स्वच्छ बनाना है व जय स्वच्छता, जय जय स्वच्छता से बच्चों के साथ नारे बोलकर मुख्य वक्ता संदीप लोहट ने की। स्वच्छता के नारों से स्कूल प्रांगण गूँज उठा। उन्होंने विद्यार्थियों को पंच परिवर्तन परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण, स्वदेशी का उपयोग, नागरिक कर्तव्य को अपने जीवन मे अपनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हमारे शहर के विकास और हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें अपने वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए काम करना चाहिए। सभी विद्यार्थी जन्मदिन पर एक-एक पौधा लगाए और देखभाल करें। परिवार व पड़ोसियों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करें।

सिंगल यूज प्लास्टिक के नुकसान को बताया

स्वच्छ भारत मिशन के मोटिवेटर रेनू भूषण ने सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को बताया और उन्हें इसके उपयोग को बंद करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा कि शहर में एस.यू.पी. बैन है, उसी प्रकार घर में इसका उपयोग न करें। एस.यू.पी. के बजाए नागरिकों को कपड़े और पेपर से बने उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। हर घर में गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करेंगे। स्कूल के निदेशक मनीष गुप्ता ने स्वच्छता टीम को स्कूल परिसर का निरीक्षण करवाया। इस दौरान स्वच्छता टीम द्वारा विद्यालय की साफ-सफाई, डस्टबिन का प्रयोग आदि बेहतर कार्य को लेकर विद्यालय प्रबंधन की सराहना भी की। कार्यक्रम में स्कूल विद्यार्थियों के साथ साथ स्कूल स्टाफ भी मौजूद रहा।

गंदगी नहीं करेंगे

इस मौके पर विद्यार्थियों ने आश्वस्त किया कि हम अपना जन्मदिन एक पौधा लगाकर बनाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। विद्यार्थियों ने कहा कि न गंदगी करेंगे, न किसी को करने देंगे और अपने स्कूल ,शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाएंगे।

करनाल। करनाल में अमित के घर शोक जताने पहुचे लोग। *फोटो: हरिभूमि*

अमेरिका में करनाल के युवक की मौत से परिवार में मातम

- 2023 में परिवार ने जमीन बेचकर 60 लाख खर्च कर डंकी रूट से भेजा था
- छह साल पहले ही पिता का देहांत हो चुका था

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

अमेरिका के अर्कांसस आई-40 हाईवे पर हुए सड़क हादसे में मंगल कॉलोनी निवासी 24 वर्षीय अमित की मौत हो गई। हादसे में ट्रक में आग लगने से अमित जिंदा जल गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक अमित की मौत हो चुकी थी। परिजनों को डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही शव सौंपा जाएगा। इसमें 4 से 5 दिन लगने की संभावना जताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का हाल बेहाल है।

अमित पानीपत के कुराना गांव का रहने वाला था

अमित मूल रूप से पानीपत के कुराना गांव का रहने वाला था, जो पिछले लंबे समय से परिवार सहित करनाल की नई अनाज मंडी के पास मंगल कॉलोनी में रह रहा था। उसके भाई अंकित ने 2016 में डंकी रूट से अमेरिका का रुख किया था। इसके बाद 2023 में परिवार ने जमीन बेचकर करीब 60 लाख रुपये खर्च कर अमित को भी डंकी रूट से अमेरिका भेजा। अमेरिका जाकर अमित ने पहले स्टोर में काम किया और फिर ट्रक चालक बन गया।

हादसे से 15 मिनट पहले भाई से की थी बातचीत

स्वजन हरपाल सिंह ने बताया कि हादसे से महज 15 मिनट पहले ही अमित ने अपने भाई अंकित से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि वह ट्रक खाली कर चुका है और डीजल डलवा लिया है। लेकिन इसके कुछ देर बाद ही हादसा हो गया और अमित की मौत हो गई। परिवार में मातम का माहौल है। छह साल पहले ही उसके पिता का देहांत हो चुका था और अब बेटे के असमय निधन से परिवार टूट गया है।

हिन्दी हमारी आत्मा की भाषा

- एसएमएस मैमोरियल पब्लिक स्कूल में हिन्दी दिवस धूमधाम से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

एसएमएस मैमोरियल पब्लिक स्कूल में हिन्दी दिवस के अवसर पर विद्यालय की स्कूल असेंबली में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिन्दी भाषा के महत्त्व, उसकी समृद्धि और विद्यार्थियों में मातृभाषा के प्रति सम्मान जगाना था। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, इसके बाद विद्यार्थियों ने कविता वाचन, लेखन ,गीत और भाषण प्रस्तुत किए। विद्यालय के हिन्दी विभाग की शिक्षिका अमिता ने मातृभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है और भारत के विविध भाषाई परिदृश्य में एकता का प्रतीक है। विद्यालय की प्राचार्या डॉ विभा कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी आत्मा की भाषा है, यह हमें हमारी संस्कृति, सभ्यता और विरासत से जोड़ती है।

तरावड़ी। कार्यक्रम मे स्कूल के विद्यार्थी प्रस्तुति देते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

विद्यार्थी को हिन्दी पर गर्व करना चाहिए

विद्यार्थियों को चाहिए कि वे हिन्दी पर गर्व करें और इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। किसी भी भाषा का महत्व तभी बढ़ता है जब हम उसका प्रयोग आत्मविश्वास से करते हैं। हिंदी भारत के निवासियों के लिए एक पहचान और गौरव का विषय है कार्यक्रम का समापन हिन्दी अपनाओ - संस्कृति बचाओ के संकल्प के साथ हुआ।

नेवल की हैफेड कॉलोनी में चोरी, गहनों पर हाथ साफ

करनाल। नेवल स्थित हैफेड कॉलोनी में चोरों ने एक मकान से सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घर मालिक दिलशाद ने कुंजपुरा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 2 सितंबर को अपने परिवार सहित बसंत विहार स्थित मां से मिलने गया हुआ था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे जब वह घर लौटा तो देखा कि पिछला दरवाजा खुला हुआ था और कमरे में संदूक से कपड़े बिखरे पड़े थे। जांच करने पर पता चला कि सोने के दो जोड़ी कुंडल, दो जोड़ी बाली, एक तबीजी, एक अंगूठी, दो लौंग, तीन जोड़ी मंगलसूत्र, तीन जोड़ी चुटकी, आठ अंगूठियां, एक जोड़ी पंचागले, चार कंगन और चांदी के तीन जोड़ी पायल व एक हार समेत करीब तीन तोला सोना व 500 ग्राम चांदी चोरी हो चुकी है।

गो सेवा में आगे आएं युवा, गोशाला प्रधान राकेश गर्ग ने किया आह्वान

गोशाला को केवल आर्थिक दान से ही नहीं बल्कि समय और श्रमदान से भी सहयोग की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

शन्तिवन गौपाल गोशाला में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान गोशाला के प्रधान राकेश गर्ग ने शहरवासियों से गो सेवा के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि गाय हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, जिसकी सेवा करना हर नागरिक का सामाजिक दायित्व है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधान राकेश गर्ग ने कहा कि गोशाला को केवल आर्थिक दान से ही नहीं बल्कि समय और श्रमदान से भी सहयोग की आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा योगदान दे, तो गोशाला की व्यवस्था और बेहतर बनाई जा सकती है। प्रधान ने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे सेवा कार्यों से जुडक़र समाज के लिए प्रेरणा बनें और गो सेवा को जनआंदोलन का रूप दें। जब कोई व्यक्ति अपने व्यस्त जीवन में से कोई नियम बना लेता है तो उसके परिवार की रक्षा भगवान जरूर करता है, अगर आप लोग चाहते हैं कि भगवान की कृपा हमेशा परिवार पर हमेशा बनी रहे तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में कोई ऐसा कार्य जोडऩा पड़ेगा कि जिस काम को करने के बाद भगवान आप स्वयं पर प्रसन्न हो जाते हैं। इस अवसर पर मुकेश गर्ग व गोशाला समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

तरावड़ी। गोशाला प्रधान राकेश गर्ग पत्रकारों से चर्चा करते हुए साथ में मौजूद मुकेश गर्ग *फोटो: हरिभूमि*

पुण्डरीक का योगदान अतुलनीय

- श्रीमद्भागवत कथा नहीं बल्कि जीवन जीने का मार्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭तरावड़ी

वैष्णवाचार्य पूज्य श्री पुण्डरीक गोस्वामी जी महाराज तरावड़ी के 521 फूड प्रोडक्ट्स के.एस. ओवरसीज के कार्यालय में पहुंचे। जहां पर गोयल परिवार को कथा व्यास पुंडरीक जी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

गोयल परिवार ने महाराज जी का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर पंकज गोयल, आशु गोयल, अक्षत गोयल, हर्ष गोयल व ममता गोयल ने महाराज श्री का हार्दिक स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

तरावड़ी। कथा व्यास पुंडरीक जी महाराज के आगमन गोयल परिवार के सदस्य स्वागत करते हुये। *फोटो: हरिभूमि*

जीवन में प्रेम और सेवा भावना को अपनाएं : पुंडरीक

इस मौके पर पूज्य महाराज ने सभी पर कृपादृष्टि करते हुए कहा कि परिवार को भागवत कथा का उपदेश दिया और धर्म तथा संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन में प्रेम, एकता और सेवा भावना को अपनाने का संदेश देते हुए सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। धर्म और संस्कृति से जुडना ही जीवन का वास्तविक आभूषण है। श्रीमद्भागवत केवल कथा नहीं बल्कि जीवन जीने का मार्ग है। पंकज गोयल और हर्ष गोयल ने महाराज श्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि वैष्णवाचार्य पूज्य पुण्डरीक गोस्वामी जी महाराज देश-विदेश में जाकर श्रीमद्भागवत का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उनकी वाणी और प्रवचन सुनकर हजारों लोग धर्ममार्ग पर चलने की प्रेरणा ले रहे हैं। भारतीय संस्कृति और हमारी विरासत को जीवित रखने में उनका योगदान अतुलनीय है। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें उनके दर्शन और आशीर्वाद का अवसर मिला।

काव्य पाठ में संजना और प्रश्नोत्तरी में खुशी प्रथम रही

- राजकीय महाविद्यालय घरौंडा में दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता आयोजित
- सभी विधाओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭घरौंडा

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डा.) सुरेंद्र कुमार नागिया के मार्गदर्शन में किया गया। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया । मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व छात्र अजीत राही , सेवानिवृत मुख्य प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया रहे, जिन्होंने बच्चों को विविध कला में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रथम दिन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता को शामिल किया गया। द्वितीय दिन वाद्य यंत्र वादन, गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संजना ने, द्वितीय स्थान नैंसी ने, एवं तृतीय स्थान मुस्कान ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी, उर्वशी और साक्षी की टीम ने, द्वितीय स्थान दीपांशु, रोहित और विनय की टीम ने व तीसरा स्थान हंसराज, यश और अंशुल की टीम ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

महाविद्यालय के गुरनाम मलिक ,डॉ देवेंद्र कुमार डॉ वीरेंद्र दलाल, डॉ सुनील शर्मा, डॉ सुरेश शर्मा , सुमन लता, डॉ राकेश ,डॉ अंकित राज, शुभम, डॉ अंजू बाला ,डॉ गुरमीत, श्री अतुल जैन ,डॉ रेखा जांगड़ा ,डॉ विकास, रमन, श्रीमती श्वेता, सुनील कौशिक आदि ने निर्णायक मंडल की विशेष भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ सुरेश शर्मा, स्टेज सेक्रेटरी की भूमिका अदा की तथा हिंदी दिवस के मौके पर विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की महता के बारे में बताया और हिंदी दिवस की बधाई दी। सभी के सहयोग से दो दिन का प्रतिभा खोज

नृत्य में आंचल अव्वल

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर संजना, द्वितीय स्थान पर मुस्कान एवं तृतीय स्थान पर नैंसी रही। वाद्य यंत्र वादन में प्रथम स्थान सूरज ने, द्वितीय स्थान आंचल ने एवं तृतीय स्थान निहारिका ने प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता में प्रथम सूरज, द्वितीय स्थान लक्षित एवं तृतीय स्थान निहारिका ने प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दीपांशु ,द्वितीय स्थान पर दीक्षा एवं तृतीय स्थान पर चिराग सिंह रहा। नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आंचल ने, द्वितीय स्थान चेतना ने एवं तृतीय स्थान सिद्धि ने प्राप्त किया। सभी विधाओं में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं रंगारंग प्रस्तुति देकर वातावरण को रुचिपूर्ण बनाए रखा।

युवा एवं सांस्कृतिक विभाग की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा अन्वेषण प्रतियोगिता आयोजित

डीएवी महिला महाविद्यालय में प्रतिभा अन्वेषण प्रतियोगिता, छात्राओं ने दिखाया दमखम

सभागार छात्राओं की तालियों और उत्साह से गूंजता रहा

- मंच संचालन डॉ. सतविंद्र कौर और डॉ. सीमा ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में युवा एवं सांस्कृतिक विभाग की ओर से दो दिवसीय प्रतिभा अन्वेषण प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर किया। डीएवी गान के बाद दीप प्रज्वलन प्राचार्या के साथ वरिष्ठ प्राध्यापिकाएँ डॉ. संगीता गौरांग, डॉ. सुनीत भंडारी, डॉ. संजना रहेजा, डॉ. अंजू नरवाल, डॉ. इशा, डॉ. पूनम कुंडू, डॉ. सुमन, डॉ. रेनू बालियान, डॉ. दीप्ति और डॉ. नादिया चौहान ने किया।

पौधा भेंट कर सम्मानित किया

कार्यक्रम की संयोजिकाएँ डॉ. अंजू नरवाल और डॉ. इशा ने प्राचार्या को हरियाली का प्रतीक पौधा भेंट कर सम्मानित किया। प्राचार्या डॉ. मीनू शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके उत्साह और प्रतिभा की सराहना की। दोनों दिन छात्राओं ने बढ़चढ़कर भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन भाषण, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी, ललित कला और संगीत कलाओं की प्रतियोगिताएँ हुईं। दूसरे दिन नृत्य प्रतियोगिता के अंतर्गत एकल और समूह नृत्य तथा मिस केवीए डीएवी फ्रेशर का आयोजन किया गया। सभागार छात्राओं की तालियों और उत्साह से गूंजता रहा। निर्णायक मंडल में डॉ. रेनू बालियान, डॉ. पूनम कुंडू, डॉ. दीप्ति और निताशा ने भूमिका निभाई, जबकि मंच संचालन डॉ. सतविंद्र कौर और डॉ. सीमा ने किया।

परिणाम इस प्रकार रहे

- एकल नृत्यः प्रथम–श्वेता, द्वितीय – जसमीत कौर व गुरलीन कौर, तृतीय – मुस्कान व महक, सांत्वना – चैरी।
- समूह नृत्यः प्रथम – अंजली एंड ग्रुप व गुरलीन एंड ग्रुप, द्वितीय – साक्षी एंड ग्रुप, तृतीय – विशू एंड ग्रुप।
- मिस फ्रेशरः वान्या (विजेता), कोमल (पहली रनरअप), नैना और सिमरन (दूसरी रनरअप)।
- मिस एलीगेंटः खुशबू और अकालजोत।

कर्ज से परेशान युवक का कर्ण लेक पर हाई वोल्टेज ड्रामा

- पुलिस ने उसे काफी समझाने-बुझाने के बाद सुरक्षित बाहर निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭करनाल

कर्ण लेक पर शनिवार को एक घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब कर्ज से परेशान एक युवक नहर किनारे खड़ा होकर कूदने की धमकी देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस व गोताखोर मौके पर पहुंचे और काफी समझाने-बुझाने के बाद युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। सेक्टर 32 थाना प्रभारी मनोज वर्मा ने बताया कि युवक की पहचान एसपी कॉलोनी गली नंबर छह निवासी संदीप के रूप में हुई। उसने चौला फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था, जिसे वह चुकता नहीं कर पाया। इसके चलते 8 मई को तहसीलदार ने उसका मकान सील कर दिया था।

पुलिस ने हिरासत में लिया

संदीप ने अगले दिन ताला तोड़कर कब्जा कर लिया, जिस पर उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ। बाद में कंपनी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और 8 सितंबर को दोबारा कब्जा दिलवाया गया। इसके बाद भी संदीप नहीं माना और कंपनी के कर्मचारी से मारपीट तक कर दी। जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने गई तो वह कर्ण लेक पर जाकर नहर किनारे खड़ा हो गया। फिलहाल पुलिस युवक को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

खबर संक्षेप

हरिनाम संकीर्तन किया

पानीपत। इस्कॉन के भक्तों ने मॉडल टाउन में नारायण दत्त अस्पताल के आसपास हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया। संकीर्तन में भगवान गौर निताई की मूर्तियों को हंस के आकार के रथ पर विराजमान कर निकाला गया। वहीं संकीर्तन में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्री कृष्ण का गुणगान किया।

रैली का न्योता दिया

पानीपत। पानीपत ग्रामीण विधानसभा के इनेलो प्रभारी मदन चौधरी, इनेलो जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी, शमशेर सिंह देशवाल, सुभाष निबंरी, मनोज, वाल्मीकि स.गुरमुख, संदीप बडौली, रामचंद्र बडोली, नीरज ददलाना, दिलबाग विर्क, जरनैल कुटानी, सुखबीर राजाखेड़ी, पंकज व मोहित आदि ने ददलाना, रजापुर, महमदपुर, बड़ौली, चंदौली, गढ़सरनाई, बराना, कुटानी, राजाखेड़ी और उग्राखेड़ी आदि गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों को ताऊ देवीलाल की याद में 25 सितंबर को रोहतक में आयोजित होने जा रही रैली में भाग लेने की अपील की।

मीडिया प्रभारी बने तरूण

पानीपत। भाजपा हाईकमान ने तरूण पसरीजा को पार्टी का जिला सह मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, तरूण पसरीजा ने अपनी नियुक्ति के लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, जिलाअध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, पूर्व सासंद संजय भाटिया, केबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, विधायक प्रमोद विज, विधायक मनमोहन भड़ाना, गजेंद्र सलूजा, जिला महामंत्री सुनील कंसल, जिला मीडिया प्रभारी ओमदत्त, ईश राणा का आभार प्रकट किया।

करो योग रहो निरोग

पानीपत। पतंजलि योग समिति द्वारा संचालित जिओ पार्क सेक्टर 13-17 में चल रही नियमित योग कक्षा में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। पतंजलि प्रभारी अशोक अरोड़ा ने बताया कि योग करने से शरीर निरोगी रहता है। इस अवसर पर जेपी गुलाटी, अविनाश गिरधर, राममेहर कौशिक, अंशुल बजाज, संजीव चुघ, विकास, धर्मपाल, विजय सचदेवा, शशि मोहन गुप्ता, मुकलेश त्यागी, अनिल शर्मा, दीपा चुघ, महेंद्र आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कैंप आज

इसराना। खालसा प्रचार गुरुद्वारा संत भवन इसराना साहिब में 14 सितम्बर को पानीपत फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के तत्वावधान में एक दिवसीय फ्री कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें फिजियोथैरेपिस्ट विशेषज्ञों की टीम आ रही है। सुबह 10 बजे से लेकर 3 बजे तक लगेगा। यह जानकारी खालसा प्रचार गुरुद्वारा संत भवन इसराना साहिब के बाबा सरदार दलविंदर सिंह ने दी।

पाइथन बेसिक पर वर्कशॉप

पानीपत। जीडी गोयंका स्कूल में पाइथन बेसिक पर क्षमता निर्माण आयोग कार्यक्रम हुआ। जिसमें विभिन्न स्कूलों से शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रायोगिक और लिखित गतिविधियों के माध्यम से पाइथन की बुनियादी बातें सीखी। प्रशिक्षक गुंजन और सीमा ने प्रतिभागियों को ऑनलाइन संसाधनों की जानकारी दी।

फर्स्ट ऐड की ट्रेनिंग दी

पानीपत। विश्व फर्स्ट एड दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस भवन में शनिवार को प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 150 युवक-युवतियों को प्राथमिक सहायता के महत्व व जरूरत के बारे में अवगत करवाते हुए दुर्घटनाग्रस्त व बीमार व्यक्तियों की सहायता करने व पर्यावरण सुरक्षा हेतु प्रेरित करते हुए शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर रेड क्रॉस सचिव गौरव राम करण, हरमेश चंद आदि उपस्थित रहे।

डॉ. पंवार ने पौधे रोपे

पानीपत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. ओमवीर पंवार ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण को ध्यान में रखते हुये प्रत्येक जिम्मेदारी नागरिक को प्रति कम से कम पांच फलदार पेड़ जरूरी लगाने चाहिए। वहीं पेड़ वातारण को शुद्ध रखने एव खाने लिये फल देने के साथ स्वास्थ्य को ठीक रखने हेतु तरह तरह की ऑक्सीजन, हवा के अलावा विभिन्न प्रकार औषधि भी हमें प्राप्त होती है।

एसडी कॉलेज में हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन

हिंदी राष्ट्रीय संस्कृति की प्रतीक एवं संरक्षकः डॉ. अनुपम अरोड़ा

राष्ट्रीय हित में सभी को निरंतर प्रयास करने चाहिए ताकि हिंदी भारतीय युवा में लोकप्रिय रह।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। एसडी कॉलेज के प्राचार्या डॉ. अनुपम अरोड़ा के साथ अतिथि व विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

एसडी पीजी कॉलेज पानीपत में अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की पानीपत इकाई के सहयोग से हिंदी दिवस के अवसर पर भव्य समारोह हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पदमा शर्मा अध्यक्ष बाल कल्याण समिति और विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद् पानीपत इकाई के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा तथा डॉ. अनुपम अरोड़ा ने समारोह में हिस्सा लिया। वहीं, हिंदी दिवस भाषण प्रतियोगिता में दीपांजलि, अंजलि, नीलाक्षी, दोहा पाठ में अंजलि, खुशबू, ऋतिका, कविता पाठ में ऋषभ तिवारी, खुशबू, टीनू विजेता रहे।

विजेताओं को अथितियों ने सम्मानित किया। इधर, पदमा शर्मा, प्रदीप शर्मा ने कहा कि हिंदू सनातन भाषा है। वहीं, हिंदी जनमानस की भाषा बन गई है। वहीं, प्राचार्य डॉ अनुपम अरोड़ा ने अपने वक्तव्य में कहा कि मानविक एवं कला के विषय ही एक मात्र विषय है जो समाज के भले और इंसानियत के भाव को संजोते और आगे बढ़ाते है। भाषा इन्सान को इन्सान से जोड़कर इंसानियत का पैगाम देती है। हिंदी मात्र एक भाषा नहीं अपितु राष्ट्रीय संस्कृति की प्रतीक, ध्वजवाहक एवं संरक्षक है। तकनीक के इस युग में पाश्चात्य प्रभाव से विदेशी भाषाओं का विशेष तौर पर अंग्रेजी का प्रचलन यद्यपि बढ़ा है परंतु भारत राष्ट्र एवं इसके नागरिकों एवं युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय मुद्दों व संस्कृति का विनाश न हो इस दृष्टिकोण से हिंदी के महत्व को हमें पूर्णतया समझना और अपनाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित में सभी को निरंतर प्रयास करने चाहिए ताकि हिंदी भारतीय युवा में लोकप्रिय रहे और हमारे युवा जितना हिंदी से जुड़ पाएंगे उतने ही जिम्मेदार व समर्पित नागरिक बन पाएंगे।

जनसेवा में जुटी है भाजपा सरकार

■ भाजपा चुलकाना धाम मंडल पदाधिकारी की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

समालखा। भाजपा चुलकाना धाम मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए विधायक मनमोहन भड़ाना। फोटो: हरिभूमि

भाजपा चुलकाना धाम मंडल पदाधिकारी की बैठक मंडल उपाध्यक्ष जोगिंदर छौक्कर के जीटी रोड स्थित कार्यालय पर की गई। बैठक में मुख्यातिथि विधायक मनमोहन भड़ाना का मंडल अध्यक्ष कुलदीप जांगड़ा ने आदि ने स्वागत किया। वहीं विधायक मनमोहन भडाना ने कहा कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत ही केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार जनता की सेवा कर रही है। उन्होंने साफ किया कि वे विधायक बाद में है, पहले भाजपा के कार्यकर्ता है। वे हर भाजपाई के लिए व जनता के लिए हर समय सेवा करने के लिए उपलब्ध है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तक संगठन द्वारा मनाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने की अपील की। बैठक में भाजपा नेता सुनील कांसल, संजय अग्रवाल, जगबीर आर्य, विधायक प्रतिनिधि जसराज भाटी, कुलदीप जांगड़ा, अमित रावल, पवन त्यागी, जोगिंदर छोक्कर, संजय त्यागी, नरेश छौक्कर, चरण सिंह छौक्कर, रामपाल चौहान, सतवंत सिंह, गुरमुख सिंह, महेश शर्मा, राजेंद्र देशवाल, भूषण नंबरदार, सतपाल भारती, दिनेश चंद्र, सोनू शर्मा छदिया आदि उपस्थित रहे।

रालोअ में 19,646 केसों का निपटारा

पानीपत। सेशन डिवीजन पानीपत में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में बड़ी संख्या में मुकदमों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। माननीय न्यायमूर्ति लिसा गिल, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश और जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुदेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में यह लोक अदालत संपन्न हुई। इस अवसर पर गठित विभिन्न बैंचों में संदीप सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, याचना, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पूजा सिंगला, अतिरिक्त प्रिंसिपल जज पारिवारिक न्यायालय, रूपा एवं अनुराधा, सिविल जज (जूनियर डिविजन) तथा संजय, सिविल जज (सीनियर डिविजन) समालखा ने मामलों का निपटारा किया। वहीं, लोक अदालत में लंबित व पूर्व मुकदमेबाजी से जुड़े दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, बैंक वसूली, नागरिक विवाद, उपभोक्ता आयोग के मामले और घरेलू हिंसा अधिनियम जैसे अपराधों से संबंधित केस भी शामिल किए गए। इधर, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण वर्षा शर्मा ने बताया कि पानीपत और सब डिवीजन समालखा में कुल 23,154 मामलों को लोक अदालत में लिया गया, जिनमें से 19,646 मामलों का निपटारा आपसी सहमति से हुआ। इन मामलों में कुल 40 करोड़ 22 लाख 63 हजार 933 रुपये की राशि का निपटान किया गया।

श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा कार्यकारिणी गठित

■ श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा गोहाना रोड पानीपत की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा गोहाना रोड के पदाधिकारीगण बैठक करते हुए।

श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा गोहाना रोड पानीपत की बैठक प्रधान राजकुमार पांचाल में अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रधान राजकुमार पांचाल बताया कि पांच सदस्यीय संरक्षक मंडल में रोशन लाल धीमान, विनोद पांचाल, डा.राजकुमार जांगड़ा, डा.पूरन सिंह पांचाल, रमेश धीमान को शामिल किया गया। वहीं सतबीर जांगड़ा, सोमपाल पांचाल फोरमैन, अंतू राम धीमान को वरिष्ठ उप प्रधान, परमानंद धीमान, विपिन पांचाल, सुरेश जांगड़ा, दिनेश धीमान, धर्मपाल जांगड़ा को उपप्रधान, राजेंद्र पांचाल भंडारी को प्रबंधक, सुभाष जांगड़ा महासचिव, संजय धीमान कोषाध्यक्ष, मोहन लाल विश्वकर्मा मीडिया प्रभारी, सुनील धीमान संगठन सचिव एवं लंगर प्रभारी, सचिव धर्मवीर धीमान, मनोज पांचाल, विजय जांगड़ा, कानूनी सलाहकार अनिल धीमान एडवोकेट, सुशील जांगड़ा, विक्की पांचाल, सरोज जांगड़ा महिला प्रधान, डा.नीरज जांगड़ा, प्रवीण पांचाल, जगरोशन धीमान, जेपी धीमान, बबलू पांचाल, बिजेंद्र पांचाल, जितेंद्र कंडेला, सतबीर धीमान, ओमकार पांचाल, जितेंद्र पटवा, सतपाल जांगड़ा, अजय जांगड़ा, विकास धीमान को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया है। जबकि मार्गदर्शक मंडल में धर्म सिंह धीमान, दीपचंद निर्मोही, रघुवीर धीमान, पालेराम धीमान, कश्मीरी लाल धीमान, अजय सिंह जांगड़ा, सतबीर डांगी, राममेहर कुराड़, रामपाल जांगड़ा, जगदीश जांगड़ा, हुकम चंद धीमान, रामपाल धीमान, रामकरण जांगड़ा, रामकुमार बापौली, गुलाब पांचाल, ईसम पांचाल व ओम प्रकाश जांगड़ा को शामिल किया गया है।

रोटी के संकट से जूझ रहे है राशन डिपो

पानीपत। डिपो होल्डर एसोसिएशन पानीपत के जिला प्रधान मुकेश कन्हैया शर्मा सिवाह ने उपायुक्त डॉ.वीरेंद्र दहिया को पत्र सौंप कर जिला के डिपो होल्डरों की समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की है। प्रधान कन्हैया ने बताया कि हरियाणा के राशन डिपो होल्डरों को पिछले पांच महीने से कमीशन नहीं मिलने के कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, प्रधान कन्हैया ने पत्र के माध्यम से डीसी से मांग की है कि हर महीने तेल व चीनी के लिए कन्फैड में जो पैसे जमा कराए जाते हैं वह कमीशन काटकर जमा कराए जाने का आदेश जारी किया जाए। पोश मशीन में गेहूं, तेल और चीनी के लिए अलग-अलग अगूंठा लगवाना पड़ता है। जिससे डिपो पर भीड़ हो जाती है। एक ही अंगूठे से सारा सामान निकलवाने की व्यवस्था कराई जाए। सरसों के तेल का कमीशन भी 10 रूपये प्रति बोतल किया जाए। जबकि पीडीएस के तहत पहले की तरह 600 राशन कार्डों के बाद नए डिपो बनाने का नियम भी लागू किया जाए।

हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ की जिलाध्यक्ष बनी नेहा

■ हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ की नवनियुक्त कार्यकारिणी।

पानीपत में हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ की बैठक हुई। बैठक में हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ के पदाधिकारी सुखविंद्र सिंह महामंत्री व राजेश गौतम संयोजक व जिला जींद के प्रधान सुनील मेहरा उपस्थित रहे। वहीं, बैठक में सर्वसम्मति से कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ, पानीपत की नेहा को एक बार फिर कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ का प्रधान नियुक्त किया गया है।

वहीं उपप्रधान की जिम्मेदारी जितेंद्र आर्य, कैशयर हरजीत कौर, महासचिव विक्की कश्यप, सहसचिव प्रवीण कुमार, संगठन मंत्री सीमा देवी, मीडिया प्रभारी नमन झांब को चुना गया। दूसरी ओर, हरियाणा कप्यूटर प्रोफेशनल संघ की बैठक में जोब सिक्योरटी एक्ट को जल्द से जल्द लागू करने की अपील की गई।

इधर, बैठक में नेहा, विक्रम सिंह, प्रदीप, रेखा, मीना, शीपरा मिश्रा, अमित, राकेश, पवन, विनीत, गीता, आनंद, अमित, अजमेर, भूपेंद्र आदि शामिल हुए।

आर्य कॉलेज की छात्राएं राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में छाई

पानीपत। आर्य कॉलेज की मेधावी छात्राएं अपने टीचर्स के साथ। फोटो: हरिभूमि

पानीपत। आर्य पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के उपक्रम हिंदी साहित्य परिषद के विद्यार्थियों द्वारा एसए जैन पीजी कॉलेज में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी भव्य प्रस्तुति प्रदान की। वहीं, प्रतियोगिताओं में एमए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू और बीजेएमसी प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि ने काव्य पाठ और भाषण प्रतियोगिता में अपनी सशक्त भूमिका निभाई। महाविद्यालय में पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने खुशबू व अंजलि का अभिनंदन करते हुए बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की। जबकि उपचार्या डॉ. अनुराधा सिंह ने दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य परिषद के संयोजक विजय सिंह, डॉ. शालिनी, प्रो. गोपाल मलिक, प्रो.कविता मलिक आदि उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्र की

पानीपत। फैला उजियारा फाउंडेशन ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए पंजाब के बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए राहत सामग्री जुटाई है। शनिवार को गांव पूठर के अनेक घरों से एकत्र की गई सामग्री को फाउंडेशन ने इसराना साहिब गुरुद्वारा भेजा गया, जहां से इसे प्रभावित परिवारों तक पहुंचाया जाएगा। इधर, फाउंडेशन की अध्यक्ष कुमारी रंजीता कौशिक ने ग्रामीणों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि बाढ़ से बेघर और बेसहारा हुए लोगों की मदद के लिए सामर्थ लोगों को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर इंद्रिरा, रामरति, रमापति, कृष्णा, अनिता, दर्शना, कांता, मुकेश, रेखा, ममता, सतवीर, राजेंद्र नंबरदार, राजवीर, सतवीर, बलबीर, संदीप, रमेश आदि मौजूद रहे।

पानीतप। पानीपत के गांव पूठार में बाढ राहत सामग्री एकत्र करते हुए रंजीता कौशिक आदि। फोटो: हरिभूमि

पानीपत। इन्नरव्हील क्लब पानीपत मिडटाउन के कार्यक्रम में भाग लेती हुई बाल शक्ति।

आर्ट एंड क्राफ्ट में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

पानीपत। इन्नरव्हील क्लब पानीपत मिडटाउन द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन पिडिलाइट इंडस्ट्रीज इंडिया की ओर से आए आर्टिस्ट शिव वाणी ने किया। वहीं, प्रधान रुपाली चोपड़ा ने कहा कि लिप्पन आर्ट भारत के गुजरात, खासकर कच्छ क्षेत्र की एक पारंपरिक मिट्टी और दर्पण की कला है, जिसे 'मड मिरर वर्क' या 'लेपन कला' के नाम से भी जाना जाता है। इस कला में मिट्टी, गोबर और छोटे-छोटे शीशे (जिन्हें 'आभला' कहते हैं) को मिलाकर घरों की दीवारों पर खूबसूरत डिज़ाइन बनाए जाते हैं। वर्कशॉप में लगभग 100 बच्चों ने भाग लेकर लिप्पन आर्ट बनाना सीखा। बच्चों ने दीवार सजावट के लिए पुराने प्लास्टिक कैप्स और मिट्टी का उपयोग कर सुंदर कला कृतियां तैयार कीं। इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ, प्रिंसिपल, क्लब संपादिका श्वेता मिगलानी आदि उपस्थित रही।

पौधे रोप कर फर्स्ट ऐड डे मनाया

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में यूथ रेड क्रॉस यूनिट के द्वारा विश्व फर्स्ट ऐड दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया। आई.बी. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ शशि प्रभा मलिक, उपप्राचार्या डॉ. किरण मदान, संयोजक यूथ रेड क्रॉस डॉ. जोगेश व अन्य स्टाफ सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ शशि प्रभा मलिक जी ने कहा कि वर्तमान भारत ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रहा है, इससे बचने के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाए एवं वन क्षेत्र को बढ़ाया जाए। उन्होंने टीचर्स व स्टूडेंट्स से अपील की कि वे फर्स्ट ऐड की ट्रेनिंग जरूर लें। इस अवसर पर यूथ रेड क्रॉस के संयोजक डॉ. जोगेश, हिमांशी, डॉ. ज्योति गहलोत, डॉ. निधान सिंह, डॉ. राजेश, डॉ. प्रवीन कुमार, डॉ. नरवीर आदि उपस्थित रहे।

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज में फर्स्ट ऐड डे पर पौधरोपण करते हुए प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक।

राजकीय कॉलेज में साफ हवा नीला आकाश व वर्ल्ड फर्स्ट ऐड पर सेमिनार हुआ

धरती पर भगवान का स्वरूप है पर्यावरण अधिक से अधिक पौधे रोपेः प्रो. कुमार

विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग गतिविधि के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित संदेश प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। राजकीय कॉलेज में संबोधन करते हुए प्रो. दलजीत और डीसीएमओ डॉ. ललित वर्मा।

देशबंधु गुप्ता राजकीय कॉलेज में रेडरीबन क्लब, रेडक्रॉस क्लब एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सिविल अस्पताल पानीपत के सौजन्य से जागरूकता कार्यक्रम हुआ। जिसका विषय साफ हवा नीला आकाश रहा व विश्व प्राथमिक उपचार दिवस की थीम प्राथमिक उपचार और वायुमंडल में बदलाव तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुहीम एक पौधा मां के नाम के अंतर्गत कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र जागलान ने और कार्यक्रम ग्रीनमैन सहायक प्रोफेसर दलजीत कुमार की देखरेख में हुआ। वहीं, विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकाली और पोस्टर मेकिंग गतिविधि के माध्यम से स्वच्छ पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित संदेश प्रस्तुत किए। वहीं, प्रो. दलजीत कुमार प्रभारी, रेडरीबन क्लब/ रेडक्रॉस क्लब/ इको क्लब ने कहा कि धरती पर पर्यावरण ही भगवान का स्वरूप है। इसके मद्देनजर पर्यावरण को घना करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपे।

प्राथमिक उपचार की महत्ता की जानकारी दी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि में सिविल अस्पताल के डॉ. ललित वर्मा ने प्राथमिक उपचार की महत्ता की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. सोनिया, डॉ. नरेश ढांडा, डॉ .डिप्टी गाबा, डॉ. ज्योति, डॉ. तकदीर सिंह, संदीप कल्याणी, डॉ. जयकुंवर, डॉ. वीना, डॉ. संदीप आदि उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत

राजिन्द्र कुमार भाटिया सुपुत्र श्री राम लाल भाटिया निवासी मकान नम्बर 47/20, नजदीक राधा कृष्ण मंदिर, 8 मरला पानीपत

बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि राजिन्द्र कुमार भाटिया सुपुत्र श्री राम लाल भाटिया निवासी मकान नम्बर 47/20, नजदीक राधा कृष्ण मंदिर, 8 मरला पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि श्रीमति सीता रानी भाटिया धर्मपत्नी श्री राम लाल भाटिया की मृत्यु दिनांक 07/10/2016 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति सीता रानी भाटिया धर्मपत्नी श्री राम लाल भाटिया की मृत्यु के बाद उपरांत 1 वारिस है 1. राजिन्द्र कुमार भाटिया सुपुत्र श्रीमति सीता रानी भाटिया धर्मपत्नी श्री राम लाल भाटिया है। इनके इलावा अन्य कोई वारिस नहीं है। पटवारी हल्का तथा नगर पार्षद द्वारा भी अपनी रिपोर्ट में इन्ही वारसान की तसदीक की गई है :-

यह कि श्रीमति सीता रानी भाटिया धर्मपत्नी श्री राम लाल भाटिया के बाद अन्य कोई वारिस / उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तहार / नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वयं/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपयंत 30 दिन के अन्दर-2 इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा।

यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 11.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

हस्ता/- तहसीलदार-कम-संयुक्त-सब-रजिस्ट्रार, पानीपत

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब-रजिस्ट्रार पानीपत

सीमा वेदी सुपुत्री लेट श्री देसराज निवासी मकान नम्बर 2578/1, सैक्टर 23, शास्त्री कालोनी, पानीपत।

बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि सीमा वेदी सुपुत्री लेट श्री देसराज निवासी मकान नम्बर 2578/1, सैक्टर 23, शास्त्री कालोनी, पानीपत आधार कार्ड नम्बर 6701 0461 4665 ने एक दस्तावेज बाबत जायदाद को परिवर्तित करने हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है। यह कि श्री देसराज सुपुत्र श्री बुद्ध राम की मृत्यु काफी अरसे पहले ही हो चुकी है। यह कि श्रीमति कृष्णा धर्मपत्नी श्री देसराज की मृत्यु दिनांक 15/10/2018 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति सुहागवन्ती धर्मपत्नी श्री बुद्ध राम की मृत्यु मृतक से काफी अरसे पहले हो चुकी है। यह कि श्री देसराज सुपुत्र श्री बुद्ध राम की मृत्यु के उपरान्त उनके निम्न वारिस/उत्तराधिकारी दर्शाये गये है। सुभाष पटवारी हल्का तथा कमल अरोड़ा, नगर निगम पार्षद, वार्ड नम्बर 10, पानीपत द्वारा भी अपनी रिपोर्ट में इन्ही वारसान की तसदीक की गई है:- श्री देसराज सुपुत्र श्री बुद्ध राम की मृत्यु उपरान्त 3 वारिस है:- 1. सरोज मनचन्दा सुपुत्री 2. सीमा वेदी सुपुत्री 3. जगदीश लाल सुपुत्र लेट श्री देसराज सुपुत्र श्री बुद्ध राम है। यह कि श्री जगदीश लाल सुपुत्र श्री देसराज की मृत्यु दिनांक 07/09/2003 को हो चुकी है। यह कि श्रीमति कृष्णा धर्मपत्नी श्री देसराज की मृत्यु दिनांक 15/10/2018 को हो चुकी है। यह कि श्री जगदीश लाल सुपुत्र श्री देसराज की मृत्यु उपरान्त 3 वारिस है 1. श्रीमति सुषमा रानी धर्मपत्नी 2. सिमरन सुपुत्री 3. यश सुपुत्र लेट श्री जगदीश लाल सुपुत्र श्री देसराज है। इनके इलावा अन्य कोई भी वारिस नहीं है। इनके इलावा मृतक का अन्य कोई वारिस/उत्तराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस/उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वयं /अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर- अन्दर इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 08/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-संयुक्त-सब-रजिस्ट्रार, पानीपत

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाया गया हिंदी दिवस

बराड़ा। संत मोहन सिंह खालसा लबाना गर्ल्स कॉलेज में हिंदी दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दलजीत कौर विर्क, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नवनीत कौर और डॉ. सुमन देवी द्वारा किया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आज

बराड़ा। राष्ट्र जागरण मंच ट्रस्ट और गुरुद्वारा सुख निधान लंगर साहिब की प्रबंधक कमेटी की ओर से 14 सितंबर को नि:शुल्क नेत्र शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कैंप मुख्य सेवादार बाबा राजविंदर सिंह की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट के संस्थापक अमरिंद्र सिंह ने बताया कि शिविर में मुख्यअतिथि के रूप में ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन मलकीत व विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा सदस्य गुरजिंदर कौर होंगी।

घटते लिंगानुपात पर जताई चिंता

बराड़ा। आशा वर्कर यूनियन की बैठक आयोजित की गई जिसमें यूनियन की जिला सचिव कविता शर्मा सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में घटते लिंगानुपात पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बताया गया कि इसका मुख्य कारण कन्या भ्रूण हत्या है। कविता शर्मा ने बताया कि इस सामाजिक बुराई के खिलाफ आशा वर्कर यूनियन ने 1 सितंबर 2025 से प्रदेशव्यापी जागरूकता जत्था अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत जत्था जिले में 23 व 24 सितंबर को पहुंचेगा।

लोक अदालत में 2.13 करोड़ का सेटलमेंट

अंबाला। जिला न्यायालय में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कंचन माही की देखरेख में संपन्न हुई लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के कुल 19,192 मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया गया। इसके अतिरिक्त, पक्षकारों के बीच हुए समझौतों से2,13,94,650/ की उल्लेखनीय राशि का सेटलमेंट भी हुआ।इस अवसर पर उपस्थित पक्षकारों ने लोक अदालत की प्रक्रिया की सराहना करते हुए इसे सस्ता, सरल और त्वरित न्याय का सशक्त माध्यम बताया।

नृत्य और गायन में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

शहजादपुर। राजकीय महिला महाविद्यालय में कॉलेज प्राचार्य डॉ. कश्मीर सिंह की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सौजन्य से दो दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का समापन हुआ। दूसरे दिन नृत्य तथा गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बतौर निर्णायक कार्य करने वाली सुनीता दुआ सहगल ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने दोनों प्रतियोगिताओं में बतौर निर्णायक कार्य किया तथा अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सभी का दिल जीता।

आईटीआई होली में भी मौके पर ही दाखिला लेने का मौका

बराड़ा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) होली के प्रधानाचार्य अश्वनी कुमार ने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए संस्थान में रिक्त रह गई सीटों पर दाखिला प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी गई है। इच्छुक आवेदक 13 सितंबर 2025 से दाखिला पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑन द स्पॉट दाखिला 15 सितंबर से 30 सितंबर 2025 तक किया जाएगा। विभिन्न व्यवसायों जैसे टर्नर, फिटर, वेल्डर, वूडवर्क्स टेक्निशियन, सूइंग टेक्नोलॉजी, एंब्रॉयडरी, इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन सिविल, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिक, पेंटर जनरल में कुल 130 सीटें खाली हैं। छात्र-छात्राएं इन ट्रेड्स में दाखिला लेकर अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि यह अवसर विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए है जो दसवीं अथवा आठवीं पास हैं। किसी कारणवश पहले दाखिला नहीं ले पाए। उन्होंने गांव होली तथा आसपास के क्षेत्रों के अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को आईटीआई होली में दाखिला दिलाकर उन्हें रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

मंत्री विज बोले, मैं वॉर रूम कभी भी आकर चेक करूंगा

इंडस्ट्रियल एरिया में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने को पांच सदस्यीय समिति का गठन

इंडस्ट्रियल एरिया में सफाई व दवा का छिडकाव युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए, पेयजल व बिजली व्यवस्था भी होगी दुरुस्त

वॉर रूम भी किया गया स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर मंत्री अनिल विज पूरी हरकत में दिख रहे हैं। एरिया में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए उनकी ओर से पांच प्रतिनिधियों की एक कमेटी गठित की गई है। साथ ही यहां एक वार रूम भी स्थापित करने के निर्देश दिए। इसमें एचएसआईआईडीसी, जन स्वास्थ्य विभाग, बिजली निगम, नगर परिषद व पुलिस कर्मचारी शामिल होंगे जोकि रोस्टर के हिसाब से यहां तब तक रहेंगे जब तक यहां सभी व्यवस्था दुरूस्त न हो जाएं।

जलभराव पर सख्ती: इंडस्ट्रियल एरिया में गंभीर जलभराव की समस्या को देखते हुए मंत्री अनिल विज सक्रिय हुए।

वार रूम स्थापित करने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्टरी में कमरा भी तय किया गया। कमेटी में इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधि सुभाष धीमान, गोपी सहगल, कमलजीत जैन, कपिल वर्मा व अखिल गुप्ता को शामिल किया गया।

यह सभी प्रतिनिधि सम्बन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाकर यहां पर सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करवाने में सहयोग करेंगे। विज ने शनिवार को इंडस्ट्रियल एरिया में दौरा किया। यहां पर पानी उतरने के बाद युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चलाने और दवा का छिडक़ाव करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को एरिया में पूरी ताकत व संख्या के साथ सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने पेयजल व बिजली आपूर्ति को सुचारू करने के निर्देश दिए।

मंत्री अनिल विज ने नालों व सडक़ों किनारे जहां भी पानी शेष रह गया है उसे सुपर सकर मशीन के माध्यम से निकालने के निर्देश दिए। कहा कि जब तक सुपर सकर मशीन यहां नहीं पहुंचती तब तक वह इंडस्ट्रियल से नहीं जाएंगे।

अंबाला। पानी निकासी के कार्य का जायजा लेते मंत्री अनिल विज।

डाली जाए स्ट्रॉम वॉटर लाइन डाली

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह व जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता से पानी की सप्लाई शुरू होने बारे भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी समय में इंडस्ट्रियल एरिया को नहरी पानी से जोडने का काम किया जाएगा। उन्होंने इस दौरान एचएसआईआईडी के कार्यकारी अभियंता बलदेव सिंह को कहा कि जल भराव की स्थिति से निपटने के लिए अंबाला छावनी सदर बाजार में स्ट्रॉम वाटर पाईप लाईन डाली गई है। इसी तर्ज पर वे यहां के लिए रूपरेखा बनाएं। इस दौरान विज ने एक फैक्टरी का भी निरीक्षण किया और यहां पर जल भराव के तहत जो भी नुकसान हुआ था उसका जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री ने उपायुक्त को भी फोन करके कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया के प्रतिनिधियों की इंश्योरैंस से संबंधित कारोबारियों की समस्यांए को हल करने के निर्देश दिए।

इंडस्ट्रियल एरिया में सफाई अभियान का निरीक्षण

मशीन के आने पर ही उन्होंने उसकी कार्यप्रणाली को चेक भी किया। उन्होंने इंडस्ट्रियल एरिया का दौरा करते हुए कहा कि यह सारे शहर की नब्ज होती है। यहां पर हजारों लोग काम करते हैं जिनकी आजीविका यहां से जुड़ी हुई है। इस मौके पर उन्होंने अपने समक्ष सुपर सकर मशीन के माध्यम से सफाई व्यवस्था के कार्य को करवाना शुरू किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर परिषद के कर्मचारी को निर्देश दिए कि वे यहां पर तेल छिडकाव का कार्य करवाएं। कोई भी कौना नहीं छुटना चाहिए। इसके साथ-साथ चूना भी डलवाएं ताकि कोई भी जल जनित बीमारी न पनप सके। उन्होंने यहां पर यह भी कहा कि यदि कोई फैक्टरी संचालक अनुमति देता है कि उसके अंदर तेल का छिडकाव करना है।

पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

कॉलर बोन के छाती में घुसा था चाकू इसी वजह से हुई थी राहुल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की बब्याल सिसौदिया धर्मशाला के निकट दो दिन पहले युवक की हत्या के मामले में पुलिस आरोपियों की धरपकड़ कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने राहुल (19) का शव परिजनों के हवाले कर दिया। फोरेंसिक एक्सपर्ट डॉक्टर ने शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में सामने आया कि राहुल की कॉलर बोन के पास से छाती में घुसा चाकू मौत की वजह बना।

पुलिस ने पांच आरोपियों पर किया हत्या व हत्या के प्रयास का केस

हमले में विशाल (20) को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। राहुल की हत्या के बाद घर में मातम पसरा हुआ है।महेश नगर थाना पुलिस ने पांच पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हमलावरों के नाम की अभी पुलिस की तरफ से पुष्टि नहीं की गई है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ने बताया कि पहले दोनों पक्षों में लड़की को लेकर झगड़ा चल रहा था। उसी रंजिश के चलते बब्याल के ही युवकों ने हमला कर दिया। रात को ही गांव व अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात था। किसी झगड़े की आशंका के चलते पुलिस तैनात थी।

मृतक के पिता राजकुमार ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं और राहुल सबसे छोटा था। सबसे बड़े बेटे का कुछ समय पहले ही रिश्ता हुआ था। उसकी जल्द शादी करवाने को लेकर तैयारी चल रही थी। राहुल रेहड़ी लगाने के अलावा कभी-कभी ऑटो भी चलाता था जबकि विशाल भी उनके घर के सामने चंदपुरा गांव में ही रहता है। महेश नगर थाना पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। हमलावर स्विफ्ट कार में आए थे। पुलिस ने मौके से राहुल पर हुए हमले का चाकू भी बरामद कर लिया है।

आपराधिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा

मुलाना। मुलाना थाना में नए थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रमोद राणा ने कार्यभार संभाल लिया है। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने थाना स्टाफ के साथ बैठक कर अपराधों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को सख्ती से कायम रखने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। राणा ने साफ कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा और शांति उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि थाने में आने वाला हर व्यक्ति न्याय पाए, इसके लिए पुलिस पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य करेगी। साथ ही अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक के दौरान उन्होंने पुलिस-जन सहयोग पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि "अपराध पर अंकुश लगाने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए जनता का सहयोग जरूरी है।

सब इंस्पेक्टर प्रमोद राणा ने मुलाना थाना का कार्यभार संभाला

टूटी सड़कें तुरंत करवाई जाए रिपेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को चंडीगढ़ से आयोजित वीसी के माध्यम से प्रदेश में भारी वर्षा के चलते सडक़ों के सुधार कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सडक़ों को दुरूस्त करने बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, मार्केटिंग बोर्ड व अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से बरसात से टूटी सड़कों की जानकारी ली। उन्हें निर्देश दिए कि वे प्राथमिकता के आधार पर सडक़ों को ठीक करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एंजेंसियों को यह भी कहा कि जहां पर यदि बरसाती पानी को निकालने के लिए कटाव किया गया है उस जगह पर पैरलर पाइप या अन्य व्यवस्था करें ताकि आगे यहां पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो सके। उपायुक्त ने मुख्यमंत्री को बताया कि जिले में जल भराव के चलते जिन सडक़ों पर गड्ढे हुए थे उन्हें दुरूस्त करने की दिशा में अधिकारियों को निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बाद डीसी ने अधिकारियों को बरसाती पानी से टूटी सड़कों को रिपेयर करने के आदेश दिए।

वीसी के जरिए सीएम नायब सैनी ने प्रदेश के सभी विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

अंबाला। वीसी के दौरान मौजूद प्रशासनिक अधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता नवनीत श्योराण, कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता जसविन्द्र मलिक, एनएचएआई से पुलकित, कार्यकारी अभियंता एचएसवीपी कैलाश भी मौजूद रहे।

आईटीआई में अब ऑन दि स्पॉट मिलेगा दाखिला

- भारांपुर में 136 सीटें खाली,
- 13 से आवेदन की प्रक्रिया शुरू, 30 दिन तक दाखिला लेकर जमा करवाना होगी ऑनलाइन फीस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भारांपुर में अब ऑन दि स्पॉट दाखिला मिलेगा। प्रधानाचार्य सुलतान सिंह ने बताया कि सत्र 2025-26 के लिए संस्थान में रिक्त रह गई सीटों के प्रति दोबारा दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। आवेदक दाखिला पोर्टल पर 13 सितंबर 2025 से आवेदन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सत्र 2025-26 में रिक्त सीटों पर ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया 15 से 30 सितंबर 2025 तक संस्थान स्तर पर आयोजित की जाएगी। दाखिला नए एवं पुराने आवेदनों की संयुक्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा। इसमें कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 30 सितंबर 2025 दोपहर 12:00 बजे तक अपने मेरिट कार्ड एवं सभी मूल प्रमाण पत्रों के साथ संस्थान में उपस्थित होकर दाखिला ले सकते हैं।

दाखिला होगा ऑनलाइन

दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगी एवं फीस भी ऑनलाइन जमा होगी। प्रधानाचार्य सुलतान सिंह ने बताया कि राजकीय आईटीआई भारांपुर में विभिन्न व्यवसायों जैसे ड्रेस मेकिंग, पेंटर जनरल, प्लंबर, शीट मेटल वर्कर, टर्नर, वेल्डर व वुड वर्क टेक्निशियन सहित कुल 136 सीटें खाली हैं जिनमें अभ्यार्थी दाखिला लेकर अपना कैरियर बना सकते हैं। उन दसवीं पास व आठवीं पास छात्र-छात्राओं के लिए दाखिला लेने हेतु यह एक बहुत बड़ा अवसर है जो कहीं भी किसी कारण दाखिला नहीं ले पाए। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

मणिपुर की जनता से प्रधानमंत्री को चाहिए माफी मांगनी

पीएम के मणिपुर दौर को लेकर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रोहित जैन ने दी तीखी प्रतिक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह दौरा अढाई साल बाद की औपचारिकता भर है। जब मणिपुर जल रहा था, महिलाएं अपमानित हो रही थीं, बच्चियां नग्न कर घुमाई जा रही थीं, जवान मारे जा रहे थे और हजारों परिवार विस्थापित होकर राहत शिविरों में थे तब प्रधानमंत्री देश से बाहर दौरों पर थे और मौन साधे बैठे थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट एडवोकेट रोहित जैन शनिवार को पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के बहाने मणिपुर पहुंचे हैं लेकिन वहां की जनता की अपेक्षा थी कि वे हाथ जोड़कर खड़े हों, माफी मांगें और कहें कि मणिपुर को उसके हाल पर छोड़ देना एक भूल थी। माफी उन माताओं से भी होनी चाहिए जिनके बेटे हिंसा में मारे गए, उन बहनों से होनी चाहिए जिनकी अस्मत लूटी गई, उन सैनिक परिवारों से होनी चाहिए जिनकी मां-बहनों को भीड़ ने अपमानित किया और उन विस्थापितों से होनी चाहिए जिनका जीवन उजड़ गया। जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री का वहां सांस्कृतिक कार्यक्रम देखना, नृत्य का आनंद लेना और रेलवे का उद्घाटन करना संवेदनहीनता का प्रमाण है। मणिपुर के स्थाई निवासियों ने भी इस दौरे का विरोध किया क्योंकि उन्हें लगा कि प्रधानमंत्री पीड़ा बांटने नहीं बल्कि बहाना बनाकर औपचारिकता निभाने आए हैं। जैन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार केवल उद्घाटन और दौरे तक सीमित रहती है और शांति, पुनर्वास तथा न्याय के ठोस कदम नहीं उठाती तो मणिपुर का घाव और गहरा होगा तथा देश में असंतोष और बढ़ेगा।

अंबाला। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते एडवोकेट रोहित जैन।

जैन सभा सदस्यों ने जैन मुनियों से मेरठ में लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुलाना

एसएस जैन सभा के सदस्यों ने मेरठ के जैन नगर स्थित एसएस जैन स्थानक में विराजमान जैन धर्म प्रभावक श्रमन गौरव पूज्य गुरुदेव अचल मुनि एवं प्रवचन सूर्य पूज्य भरत मुनि /"भव्य/" के पावन दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए गुरुदेव श्री अचल मुनि ने जीवन के मूल्यों पर विशेष प्रकाश डाला। गुरुदेव अचल मुनि ने अपने प्रवचन में कहा कि "मनुष्य को केवल प्रकृति से ही इंसान नहीं बनना चाहिए बल्कि स्वभाव से भी इंसान बनना आवश्यक है। जन्म से मनुष्य होना तो सहज है लेकिन आचरण और व्यवहार से मनुष्यत्व को धारण करना ही सच्ची साधना है। यदि हमारे स्वभाव में करुणा, विनम्रता, क्षमा और दया का भाव नहीं है तो केवल मानव शरीर धारण करना पर्याप्त नहीं है। सच्चा इंसान वही है जो अपने कर्मों और विचारों से समाज में सद्भाव, प्रेम और सहयोग की प्रेरणा दे।" उन्होंने आगे कहा कि इस समय में भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भागते हुए मनुष्य अपने भीतर के इंसान को भूलता जा रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह आत्मावलोकन करे, अपने दोषों को पहचाने और उन्हें दूर करने का प्रयास करे।

मनुष्य को प्रकृति के साथ स्वभाव से भी इंसान बनना जरूरी

मुलाना। जैन मुनियों का आशीर्वाद लेते जैन सभा के पदाधिकारी।

प्रतियोगिता वर्ग: अंडर-13, अंडर-17 और ओपन कैटेगरी में मुकाबले

पुलिस-पब्लिक चेस चैंपियनशिप में 300 ने लिया हिस्सा

एसपी बोले युवाओं को नशे के खिलाफ चल रहे अभियान में जोड़ने के मकसद से आयोजित की जा रही है चैंपियनशिप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में पहली बार पुलिस पब्लिक चेस चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। इसका शुभारंभ शनिवार को पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने किया। पुलिस अधीक्षक के इस कार्यकम में पहुंचने पर स्कूल प्रिंसिपल डॉक्टर विकास कोहली ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। नशे के विरुद्ध इस कार्यक्रम के आयोजन लिए पुलिस अधिकारियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की ये पहल निश्चित ही युवाओं को नई ऊर्जा देगी। इस प्रतियोगिता में लगभग 300 से अधिक बालक-बालिकाएं शतरंज के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं।

अंबाला। खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते एसपी व अन्य।

अंबाला में पुलिस-पब्लिक चेस चैंपियनशिप से नशामुक्ति संदेश

इसे तीन वर्गों – अंडर-13, अंडर-17 एवं ओपन कैटेगरी में विभाजित किया गया है। पहले दिन 3 राउंड और दूसरे दिन 4 राउंड (टेंटेटिव) करवाए जाएंगे। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु चीफ ऑर्बिटर हरप्रीत सिंह (पटियाला) एवं उनकी टीम को नियुक्त किया गया है। यहां अपने संबोधन में एसपी अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। नशा आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। शतरंज जैसा खेल बच्चों और युवाओं को सोचने, समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को खेलों के साथ जोड़ना है ताकि युवा वर्ग खेलों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर खेलों में अपना भविष्य खोजें। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है तथा साथ-साथ नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बतलाया कि नशा तस्करों के खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। एसपी ने बताया कि अंबाला में नशे के विरुद्ध एक टीम का भी गठन किया हुआ है जो घर - घर पहुंचकर सर्वे करती है। नशे के आदि हो चुके लोगों का इलाज करवा रही है। साथ-साथ अवैध कार्य करने वालों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई भी कर रही है। एसपी ने सभी स्कूलों के प्रिंसिपल, सामाजिक संस्थाओं युवाओं ओर बच्चों का इस चेस चैंपियनशिप में पहुंचने और भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। भविष्य में नशे के विरुद्ध इस मुहिम को जन जन तक पहुंचने के लिए अपील करते हुए कहा कि हम सब साथ मिलकर ही इस नशे रूपी दानव का अंत कर सकते है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 14 सितंबर 2025

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

हिंदी दिवस विशेष

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

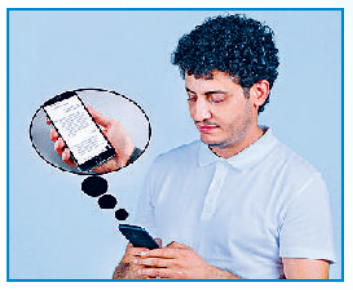

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंगलुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

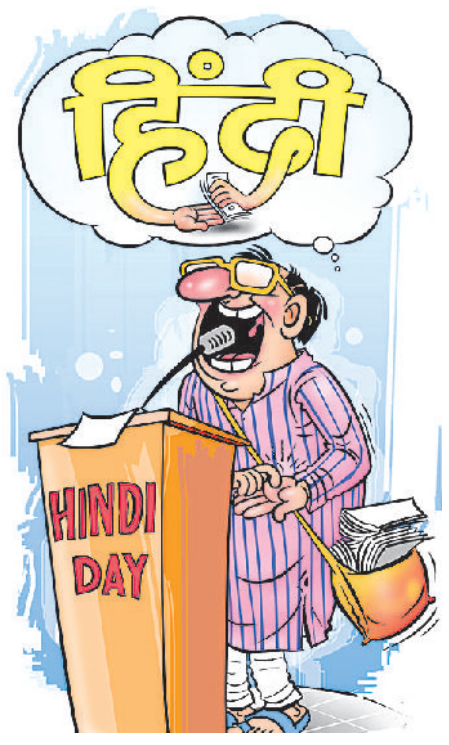

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC®

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

स्पेशलः इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

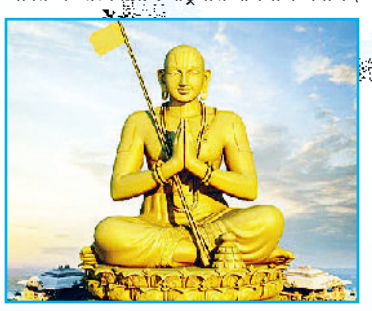

ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है। इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भाद्रपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्ही में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप

'उधम सिंह' में विक्की कौशल

कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में

भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *